कुरुक्षेत्र जिला

1. कुरुक्षेत्र जिला एक नज़र में

जिले की स्थापना	23 जनवरी 1973
शहर की स्थापना	राजा कुरु द्वारा भूमि जोतकर
नामकरण	राजा कुरु के नाम पर
प्राचीन नाम	कुरुजंगल, कुरु जनपद
क्षेत्रफल	1530 वर्ग किमी
उपनाम	धर्म नगरी, पार्क सिटी, तीर्थराज, गीता नगरी, वैदिक सभ्यता का पालना
विधानसभा सीटें	शाहबाद, थानेसर, पेहोवा, लाडवा
तहसील	थानेसर, पेहोवा, शाहबाद, लाडवा
उपतहसील	इस्माइलाबाद, बाबैन

hrgk.in

ध्यान दें: भगवद्गीता का उपदेश भगवान कृष्ण ने अर्जुन को कुरुक्षेत्र के ज्योतिसर में दिया था — यह हरियाणा GK का सबसे महत्वपूर्ण एवं बार-बार पूछा जाने वाला तथ्य है।

2. ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थल

ज्योतिसर

डॉ. आर.सी. मजूमदार के अनुसार यह क्षेत्र भारत में आर्यों के आगमन से पहले भी एक धर्म-सांस्कृतिक केंद्र था। ज्योतिसर कुरुक्षेत्र जिले का एक कस्बा है, जो कुरुक्षेत्र-पेहोवा मार्ग पर थानेसर से लगभग 5 किमी पश्चिम में स्थित है। मान्यता है कि यहीं भगवान **कृष्ण** ने **अर्जुन** को गीता का उपदेश दिया और अपना विराट रूप दिखाया था — 'ज्योति' का अर्थ प्रकाश तथा 'सर' का अर्थ तालाब है। यहाँ स्थित बरगद के वृक्ष के नीचे यह उपदेश दिया गया माना जाता है; इसके नीचे बने चबूतरे का निर्माण महाराजा दरभंगा ने करवाया था।

शेख चिल्ली का मकबरा

थानेसर में स्थित यह ऐतिहासिक परिसर **'हरियाणा का ताजमहल'** भी कहलाता है। इसमें दो मकबरे, एक मदरसा, एक मुगल उद्यान, एक मस्जिद तथा एक पुरातात्विक संग्रहालय शामिल हैं। मुख्य मकबरा सूफी संत शेख चिल्ली को समर्पित है, जो मुगल राजकुमार दारा शिकोह के आध्यात्मिक गुरु थे। इसे 1958 में राष्ट्रीय धरोहर सूची में शामिल किया गया।

सन्निहित सरोवर

थानेसर के कैथल मार्ग पर स्थित यह एक पवित्र सरोवर है। मान्यता है कि श्रीकृष्ण ने यहाँ दिवंगतों की मुक्ति हेतु पिंडदान किया था तथा अमावस्या के दिन इसके जल में सात सरस्वती नदियाँ मिलती हैं। यहाँ भगवान विष्णु व माता लक्ष्मी का वास माना जाता है; कहा जाता है कि यहाँ स्नान करने से भटकती आत्माओं को शांति मिलती है।

तिरुपति वेंकटेश्वर मंदिर

भगवान विष्णु के रूप भगवान वेंकटेश्वर को समर्पित यह मंदिर **तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (TTD)** द्वारा संचालित है, जो आंध्र प्रदेश सरकार के नियंत्रण में है। वेंकटेश्वर को बालाजी, गोविंदा व श्रीनिवासा नामों से भी जाना जाता है; इस स्थान को 'कलियुग वैकुंठ' भी कहा जाता है।

स्थानेश्वर महादेव मंदिर

थानेसर में स्थित यह प्राचीन शिव मंदिर है। मान्यता है कि मंदिर के सामने स्थित कुंड की बूँदों से राजा बान का कुष्ठ रोग ठीक हुआ था तथा शिवलिंग के रूप में शिव की पहली पूजा यहीं हुई थी। 'स्थाणु' शब्द का अर्थ 'शिव का निवासी' होता है; सम्राट **हर्षवर्धन** के शासनकाल में इस नगर को राजधानी का गौरव मिला, जिसके अपभ्रंश से इसका नाम 'थानेसर' पड़ा।

बिड़ला मंदिर

कुरुक्षेत्र में स्थित यह मंदिर भगवान कृष्ण को समर्पित है; निर्माण **1952** में हुआ। मंदिर परिसर में विशाल बगीचा, सफेद संगमरमर से बनी हाथियों की मूर्तियाँ तथा कृष्ण-अर्जुन रथ की प्रतिकृति है।

नाभा हाउस

यह नाभा रियासत के शाही परिवार द्वारा कुरुक्षेत्र में धार्मिक कार्यक्रमों के दौरान निवास हेतु प्रयोग की जाने वाली भव्य इमारत है। इसे 2005 में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) द्वारा संरक्षित स्मारक के रूप में अपनाया गया।

3. जिले की अन्य महत्वपूर्ण बातें

ऐतिहासिक समयरेखा

- **1911–12** स्वामी श्रद्धानंद ने कुरुक्षेत्र में गुरुकुल की नींव रखी।
- **1952** बिड़ला मंदिर का निर्माण हुआ।

hrgk.in

- **1956** कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय (KUK) की स्थापना हुई।
- **1958** शेख चिल्ली का मकबरा राष्ट्रीय धरोहर सूची में शामिल हुआ।
- **1963** राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (NIT) कुरुक्षेत्र की स्थापना हुई।
- **23 जन 1973** कुरुक्षेत्र जिले की स्थापना हुई।
- **1982** पीपली चिड़ियाघर की स्थापना हुई।
- **1987** श्रीकृष्ण म्यूजियम की स्थापना हुई।
- **24 जून 1991** कुरुक्षेत्र आकाशवाणी केंद्र की स्थापना हुई।
- **2005** नाभा हाउस को ASI ने अपनाया; गुलजारी लाल नंदा संग्रहालय की भी स्थापना हुई।

प्रमुख तीर्थ स्थल

- **कालेश्वर तीर्थ** – रामायण व रावण से संबंधित है।
- **पृथुदक तीर्थ** – पेहवा; हरियाणा में सबसे अधिक पिंडदान यहाँ होता है।
- **कुबेर तीर्थ** – यक्ष द्वारा कुबेर का यज्ञ किया गया था; यह चैतन्य महाप्रभु से भी संबंधित है।
- **चन्द्रकूप तीर्थ** – निर्माण युधिष्ठिर द्वारा; हरियाणा का एक प्राचीन कुआं है।
- **आपगा तीर्थ** – कुरुक्षेत्र में स्थित।
- **कमलनाथ तीर्थ** – ब्रह्मा जी की उत्पत्ति का स्थान माना जाता है।
- **नरकातारी तीर्थ** – थानेसर में स्थित।
- **मारकण्डा तीर्थ** – कुरुक्षेत्र में स्थित।
- **भीष्म कुंड व बाणगंगा तीर्थ** – अर्जुन से संबंधित है।
- **अंजन यात्रिका** – कुरुक्षेत्र में स्थित एक तीर्थ है।

धार्मिक स्थल

- **गुरुद्वारा छेवीं पातशाही** – गुरु हरगोबिंद जी को समर्पित।
- **गौड़िय मठ** – कुरुक्षेत्र में स्थित।
- **बाबा काली कमली वाले का डेरा** – निर्माण विश्वानंद महाराज द्वारा।
- **वाल्मीकि आश्रम (कमोधा स्थल)** – कहा जाता है कि लक्ष्मणगिरी ने यहाँ जीवित समाधि ली थी।
- **भद्रकाली / देवीकूप** – यह 51 शक्तिपीठों में से एक है।
- **मारकंडेश्वर मंदिर** – शाहबाद में स्थित।

hrgk.in

- **दुख भजन मंदिर** – थानेसर में स्थित।
- **लक्ष्मीनारायण (नारायण) मंदिर** – कुरुक्षेत्र में स्थित।
- **सर्वेश्वर महादेव मंदिर** – थानेसर में स्थित।
- **अदिति मंदिर** – अमीन गांव में स्थित।
- **राजघाट गुरुद्वारा** – दसवें गुरु श्री गोविंद सिंह जी को समर्पित।
- **नौवीं पातशाही गुरुद्वारा** – थानेसर; गुरु तेग बहादुर जी को समर्पित।

मेले एवं उत्सव

- **सूर्यग्रहण स्नान मेला** – ब्रह्मसरोवर में अमावस्या के दिन लगता है।
- **सरस्वती महोत्सव** – पेहवा में आयोजित होता है।
- **महावीर जयंती का मेला** – लाडवा में मार्च माह में लगता है।

ऐतिहासिक स्थल

- **कर्ण का किला** – थानेसर में स्थित (नोट: कर्ण झील उचाना, करनाल में है)।
- **हर्ष का किला** – थानेसर में स्थित।
- **गुलजारी लाल नंदा संग्रहालय** – कुरुक्षेत्र; स्थापना 2005।

झील एवं जल संरचनाएं

- **नील क्रांति डैम** – कुरुक्षेत्र में स्थित।
- **बीबीपुर झील** – कुरुक्षेत्र की एक मैदानी क्षेत्र की झील है।
- **सनिशा झील** – अरुणाय गांव; यह सरस्वती व मारकंडा नदी का संगम स्थल है।
- **जलबेहरा बैराज** – मारकंडा नदी पर स्थित।

पर्यटन स्थल

- **कल्पना चावला तारामंडल** – ज्योतिसर में स्थित।
- **पैराकीट पर्यटन स्थल** – पीपली (NH-44) में स्थित।
- **पीपली चिड़ियाघर** – पीपली; स्थापना 1982।

hrgk.in

शिक्षण संस्थान

- **कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय (KUK)** – थानेसर; स्थापना 1956।
- **राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (NIT)** – कुरुक्षेत्र; स्थापना 1963।
- **श्री कृष्णा आयुष विश्वविद्यालय** – देश का पहला आयुष विश्वविद्यालय है।
- **गुरुकुल** – स्वामी श्रद्धानंद द्वारा 1911-12 में स्थापित।

कुरुक्षेत्र के प्रथम / रिकॉर्ड

- **कुरुक्षेत्र आकाशवाणी केंद्र** – स्थापना 24 जून 1991।
- **श्रीकृष्ण म्यूजियम** – भगवान श्रीकृष्ण से संबंधित भारत का सबसे बड़ा म्यूजियम (स्थापना 1987)।

4. महान व्यक्तित्व

नाम	परिचय / योगदान
रानी रामपाल	हॉकी खिलाड़ी; शाहबाद; 2020 में मेजर ध्यानचंद खेल रत्न — यह पुरस्कार पाने वाली प्रथम भारतीय महिला हॉकी खिलाड़ी।
संदीप सिंह	हॉकी खिलाड़ी; शाहबाद; पेहवा से पूर्व विधायक व पूर्व खेल मंत्री; जीवन पर 'सुरमा' (2018) फिल्म बनी।
रणजीत सिंह दयाल	कुरुक्षेत्र; अंडमान-निकोबार व पुदुचेरी के पूर्व उप-राज्यपाल।
नवजोत कौर	हॉकी खिलाड़ी; कुरुक्षेत्र।
सुमन बाला	हॉकी खिलाड़ी; कुरुक्षेत्र।
रीतु रानी	हॉकी खिलाड़ी; शाहबाद।
रोहित सरदाना	कुरुक्षेत्र; न्यूज़ एंकर।

hrgk.in